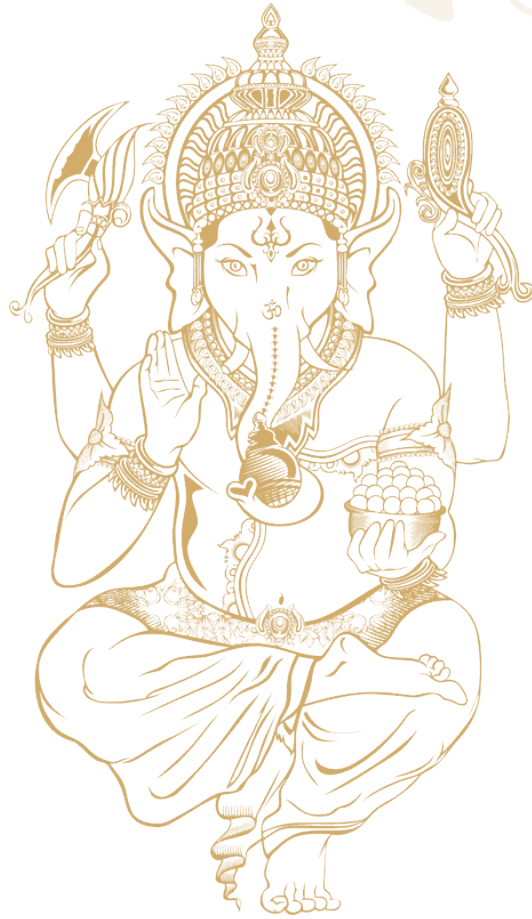




Mr. Bhumika Sharma

26 Nov 2003

11:15 AM

Simla

Model: Web-VarshKundli

Order No: 120374201

स्त्रीलिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
26/11/2003 : _____ जन्म तिथि _____ : **25-26/11/2025**
 बुधवार : _____ दिन _____ : मंगल-बुधवार
 घंटे 11:15:00 : _____ जन्म समय _____ : 03:52:12 घंटे
 घटी 10:43:47 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 52:17:30 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Simla : _____ स्थान _____ : Simla
 उत्तर 31:06:00 : _____ अक्षांश _____ : 31:06:00 उत्तर
 पूर्व 77:10:00 : _____ रेखांश _____ : 77:10:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:20 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:20 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:57:29 : _____ सूर्योदय _____ : 06:57:12
 17:19:41 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:19:32
 23:54:28 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:12
 मकर : _____ लग्न _____ : कन्या
 शनि : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : बुध
 धनु : _____ राशि _____ : मकर
 गुरु : _____ राशि-स्वामी _____ : शनि
 मूल : _____ नक्षत्र _____ : श्रवण
 केतु : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : चन्द्र
 4 : _____ चरण _____ : 1
 शूल : _____ योग _____ : वृद्धि
 गर : _____ करण _____ : कौलव
 भी-भीमा : _____ जन्म नामाक्षर _____ : खी-खिली
 धनु : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : धनु
 क्षत्रिय : _____ वर्ण _____ : वैश्य
 मानव : _____ वश्य _____ : जलचर
 श्वान : _____ योनि _____ : वानर
 राक्षस : _____ गण _____ : देव
 आद्य : _____ नाड़ी _____ : अन्त्य
 मूषक : _____ वर्ग _____ : मार्जार
 22 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 23

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उत्तराषाढा	4	09:43:12	मक			लग्न			कन्या	29:43:22	2	चित्रा
अनुराधा	2	09:38:00	वृश्चि			सूर्य			वृश्चि	09:41:21	2	अनुराधा
मूल	4	11:49:41	धनु			चंद्र			मक	12:01:13	1	श्रवण
पू०भाद्रपद	2	24:53:32	कुंभ			मंगल			अ वृश्चि	21:19:40	2	ज्येष्ठा
ज्येष्ठा	4	26:51:40	वृश्चि			बुध व			तुला	27:50:55	3	विशाखा
पू०फाल्गुनी	3	22:42:19	सिंह			गुरु व			कर्क	00:35:41	4	पुनर्वसु
मूल	2	05:05:24	धनु			शुक्र			तुला	29:36:27	3	विशाखा
आर्द्रा	4	18:27:03	मिथु व			शनि व			मीन	00:56:32	4	पू०भाद्रपद
भरणी	4	26:32:17	मेष व			राहु व			कुंभ	20:10:38	1	पू०भाद्रपद
विशाखा	2	26:32:17	तुला व			केतु व			सिंह	20:10:38	3	पू०फाल्गुनी
धनिष्ठा	4	05:07:16	कुंभ			मु			प वृश्चि	09:43:12	2	अनुराधा

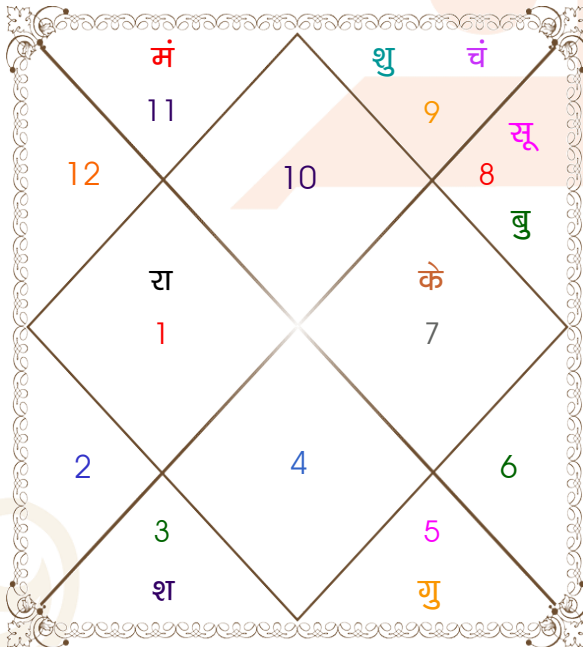
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

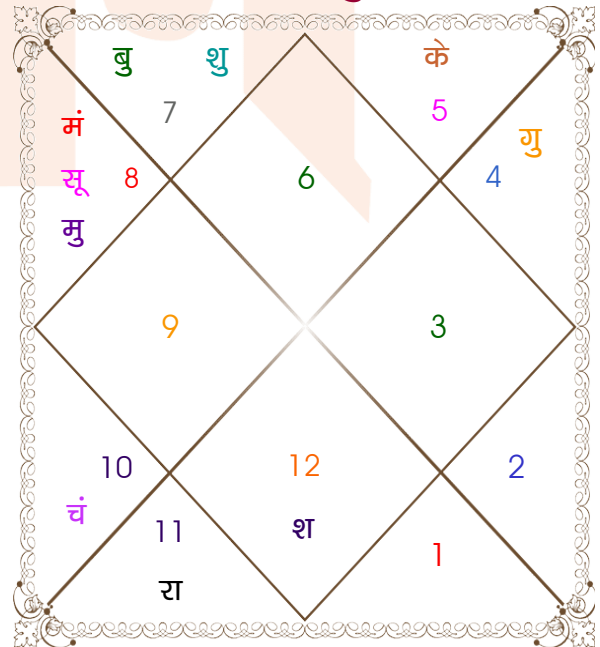
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:12

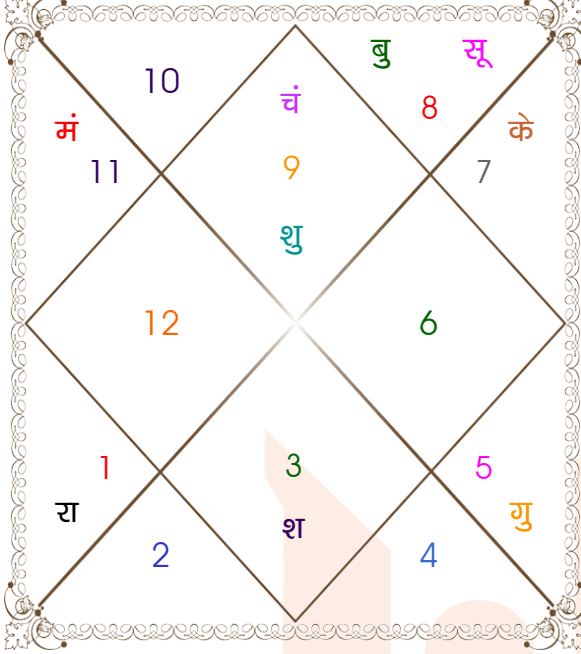
लग्न-चलित



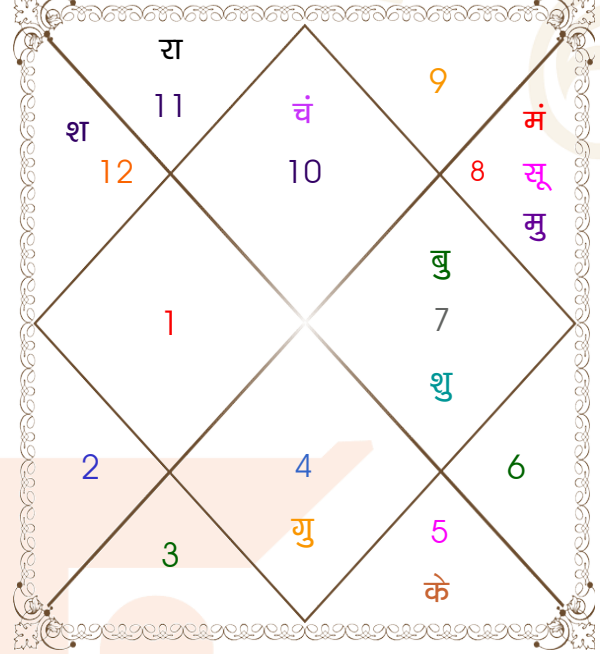
वर्ष लग्न कुंडली



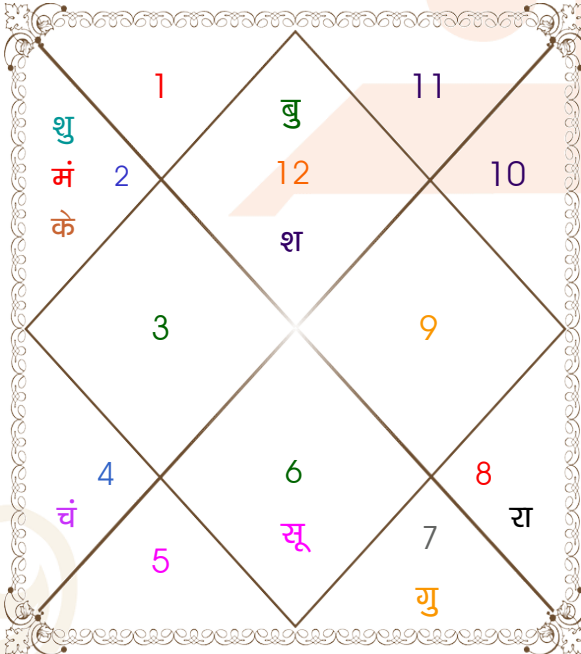
चन्द्र कुंडली



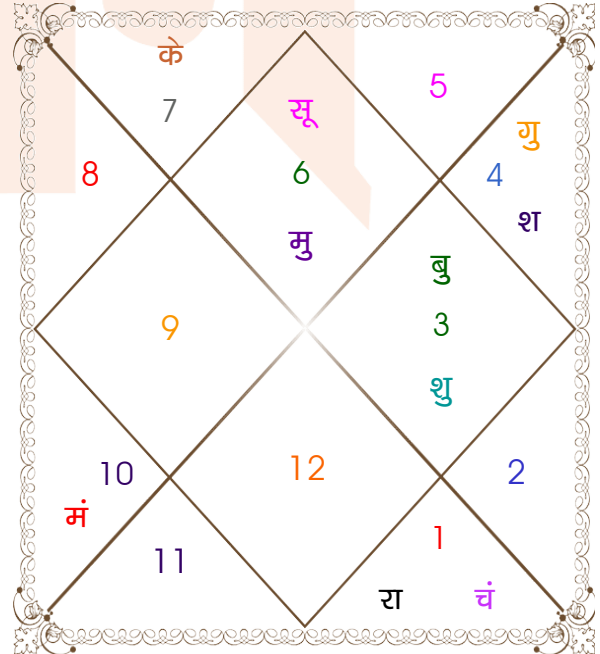
वर्ष चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



वर्ष नवमांश कुंडली



मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	सम	मित्र
चन्द्र	मित्र	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
मंगल	शत्रु	मित्र	---	सम	मित्र	सम	मित्र
बुध	सम	शत्रु	सम	---	शत्रु	शत्रु	सम
गुरु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	मित्र
शुक्र	सम	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	---	सम
शनि	मित्र	मित्र	मित्र	सम	मित्र	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	कन्या	वृश्चि	मक	वृश्चि	तुला	कर्क	तुला	मीन
होरा	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	कन्या	वृश्चि	वृश्चि	वृष	धनु	वृष	धनु	मक
चतुर्थांश	मिथु	कुंभ	मेष	वृष	कर्क	कर्क	कर्क	मीन
पंचमांश	वृश्चि	कन्या	मीन	मक	तुला	वृष	तुला	वृष
षष्ठांश	मीन	वृश्चि	धनु	कुंभ	कन्या	तुला	कन्या	तुला
सप्तमांश	कन्या	कर्क	कन्या	कन्या	मेष	मक	मेष	कन्या
अष्टमांश	धनु	तुला	कर्क	मक	वृश्चि	मेष	वृश्चि	वृष
नवमांश	कन्या	कन्या	मेष	मक	मिथु	कर्क	मिथु	कर्क
दशमांश	कुंभ	तुला	मक	कुंभ	कर्क	मीन	कर्क	वृश्चि
एकादशांश	मिथु	मक	मेष	वृष	कर्क	मिथु	कर्क	कुंभ
द्वादशांश	सिंह	कुंभ	वृष	कर्क	कन्या	कर्क	कन्या	मीन

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु	स्व	मित्र
होरा	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
द्रेष्काण	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	स्व
चतुर्थांश	मित्र	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
पंचमांश	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	स्व	सम
षष्ठांश	शत्रु	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु	सम
सप्तमांश	मित्र	शत्रु	सम	सम	मित्र	सम	सम
अष्टमांश	सम	स्व	मित्र	सम	मित्र	सम	सम
नवमांश	सम	मित्र	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु	मित्र
दशमांश	सम	मित्र	मित्र	शत्रु	स्व	शत्रु	मित्र
एकादशांश	मित्र	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	स्व
द्वादशांश	मित्र	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु	मित्र
शुभ	5	8	7	3	3	2	8
सम	4	0	4	2	0	2	4
अशुभ	3	4	1	7	9	8	0
कुल	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	5	0	0
द्वितीय बल	0	0	5	0	5	5	0
तृतीय बल	0	0	0	5	5	5	5
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	0	5	5	10	15	15	10
बल	अतिक्षीण	क्षीण	क्षीण	सामान्य	बली	बली	सामान्य

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	7.50	22.50	30.00	7.50	7.50	30.00	22.50
उच्च बल	3.30	7.67	12.59	15.24	19.51	3.62	5.45
हृदय बल	7.50	3.75	11.25	7.50	11.25	7.50	7.50
द्रेष्काण	2.50	7.50	5.00	2.50	2.50	2.50	10.00
नवमांश	2.50	3.75	3.75	5.00	1.25	1.25	3.75
कुल	23.30	45.17	62.59	37.74	42.01	44.87	49.20
विंशोपक	5.82	11.29	15.65	9.43	10.50	11.22	12.30
बल	सामान्य	शुभ	बली	सामान्य	शुभ	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	शनि	12.30	अति अशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	बुध	9.43	दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	मंगल	15.65	शुभ	मंगल
दिवापति	शनि	12.30	अति अशुभ	
त्रिराशिपति	शुक्र	11.22	दृष्टि नहीं	

पात्यंश दशा

गुरु	शनि	सूर्य	चंद्र	मंगल
26/11/2025	03/12/2025	07/12/2025	25/03/2026	22/04/2026
03/12/2025	07/12/2025	25/03/2026	22/04/2026	15/08/2026
26/11/2025	शनि 03/12/2025	सूर्य 08/01/2026	चंद्र 27/03/2026	मंगल 28/05/2026
26/11/2025	सूर्य 04/12/2025	चंद्र 16/01/2026	मंगल 05/04/2026	बुध 22/06/2026
सूर्य 28/11/2025	चंद्र 05/12/2025	मंगल 19/02/2026	बुध 11/04/2026	शुक्र 29/06/2026
चंद्र 29/11/2025	मंगल 06/12/2025	बुध 15/03/2026	शुक्र 13/04/2026	लग्न 29/06/2026
मंगल 01/12/2025	बुध 07/12/2025	शुक्र 21/03/2026	लग्न 13/04/2026	गुरु 02/07/2026
बुध 03/12/2025	शुक्र 07/12/2025	लग्न 21/03/2026	गुरु 14/04/2026	शनि 03/07/2026
शुक्र 03/12/2025	लग्न 07/12/2025	गुरु 23/03/2026	शनि 14/04/2026	सूर्य 06/08/2026
लग्न 03/12/2025	गुरु 07/12/2025	शनि 25/03/2026	सूर्य 22/04/2026	चंद्र 15/08/2026

बुध	शुक्र	लग्न	लग्न	लग्न
15/08/2026	03/11/2026	24/11/2026	24/11/2026	24/11/2026
03/11/2026	24/11/2026	26/11/2026	26/11/2026	26/11/2026
बुध 01/09/2026	शुक्र 04/11/2026	लग्न 25/11/2026	लग्न 25/11/2026	लग्न 25/11/2026
शुक्र 06/09/2026	लग्न 04/11/2026	गुरु 25/11/2026	गुरु 25/11/2026	गुरु 25/11/2026
लग्न 06/09/2026	गुरु 05/11/2026	शनि 25/11/2026	शनि 25/11/2026	शनि 25/11/2026
गुरु 08/09/2026	शनि 05/11/2026	सूर्य 25/11/2026	सूर्य 25/11/2026	सूर्य 25/11/2026
शनि 09/09/2026	सूर्य 11/11/2026	चंद्र 25/11/2026	चंद्र 25/11/2026	चंद्र 25/11/2026
सूर्य 03/10/2026	चंद्र 13/11/2026	मंगल 26/11/2026	मंगल 26/11/2026	मंगल 26/11/2026
चंद्र 09/10/2026	मंगल 20/11/2026	बुध 26/11/2026	बुध 26/11/2026	बुध 26/11/2026
मंगल 03/11/2026	बुध 24/11/2026	शुक्र 26/11/2026	शुक्र 26/11/2026	शुक्र 26/11/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

मंगल	राहु	गुरु	शनि	बुध
26/11/2025	17/12/2025	10/02/2026	30/03/2026	27/05/2026
17/12/2025	10/02/2026	30/03/2026	27/05/2026	18/07/2026
मंगल 27/11/2025	राहु 25/12/2025	गुरु 16/02/2026	शनि 09/04/2026	बुध 04/06/2026
राहु 30/11/2025	गुरु 01/01/2026	शनि 24/02/2026	बुध 17/04/2026	केतु 07/06/2026
गुरु 03/12/2025	शनि 10/01/2026	बुध 03/03/2026	केतु 20/04/2026	शुक्र 15/06/2026
शनि 06/12/2025	बुध 18/01/2026	केतु 06/03/2026	शुक्र 30/04/2026	सूर्य 18/06/2026
बुध 09/12/2025	केतु 21/01/2026	शुक्र 14/03/2026	सूर्य 03/05/2026	चंद्र 22/06/2026
केतु 11/12/2025	शुक्र 30/01/2026	सूर्य 16/03/2026	चंद्र 08/05/2026	मंगल 25/06/2026
शुक्र 14/12/2025	सूर्य 02/02/2026	चंद्र 20/03/2026	मंगल 11/05/2026	राहु 03/07/2026
सूर्य 15/12/2025	चंद्र 07/02/2026	मंगल 23/03/2026	राहु 20/05/2026	गुरु 10/07/2026
चंद्र 17/12/2025	मंगल 10/02/2026	राहु 30/03/2026	गुरु 27/05/2026	शनि 18/07/2026

केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	चंद्र
18/07/2026	08/08/2026	08/10/2026	26/10/2026	26/10/2026
08/08/2026	08/10/2026	26/10/2026	26/11/2026	26/11/2026
केतु 19/07/2026	शुक्र 18/08/2026	सूर्य 09/10/2026	चंद्र 29/10/2026	चंद्र 29/10/2026
शुक्र 23/07/2026	सूर्य 22/08/2026	चंद्र 11/10/2026	मंगल 31/10/2026	मंगल 31/10/2026
सूर्य 24/07/2026	चंद्र 27/08/2026	मंगल 12/10/2026	राहु 04/11/2026	राहु 04/11/2026
चंद्र 26/07/2026	मंगल 30/08/2026	राहु 14/10/2026	गुरु 08/11/2026	गुरु 08/11/2026
मंगल 27/07/2026	राहु 08/09/2026	गुरु 17/10/2026	शनि 13/11/2026	शनि 13/11/2026
राहु 30/07/2026	गुरु 16/09/2026	शनि 20/10/2026	बुध 18/11/2026	बुध 18/11/2026
गुरु 02/08/2026	शनि 26/09/2026	बुध 22/10/2026	केतु 19/11/2026	केतु 19/11/2026
शनि 05/08/2026	बुध 05/10/2026	केतु 23/10/2026	शुक्र 24/11/2026	शुक्र 24/11/2026
बुध 08/08/2026	केतु 08/10/2026	शुक्र 26/10/2026	सूर्य 26/11/2026	सूर्य 26/11/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

सूर्य - राहु - राहु	सूर्य - राहु - गुरु	सूर्य - राहु - शनि	सूर्य - राहु - बुध
04/11/2025 03:32	23/12/2025 10:56	05/02/2026 06:52	29/03/2026 08:01
23/12/2025 10:56	05/02/2026 06:52	29/03/2026 08:01	14/05/2026 21:41
राहु 11/11/2025 13:02	गुरु 29/12/2025 07:12	शनि 13/02/2026 12:39	बुध 04/04/2026 22:21
गुरु 18/11/2025 02:50	शनि 05/01/2026 05:45	बुध 20/02/2026 21:36	केतु 07/04/2026 15:33
शनि 25/11/2025 22:12	बुध 11/01/2026 10:46	केतु 23/02/2026 22:28	शुक्र 15/04/2026 09:49
बुध 02/12/2025 21:51	केतु 14/01/2026 00:08	शुक्र 04/03/2026 14:40	सूर्य 17/04/2026 17:42
केतु 05/12/2025 18:53	शुक्र 21/01/2026 07:27	सूर्य 07/03/2026 05:07	चंद्र 21/04/2026 14:51
शुक्र 14/12/2025 00:07	सूर्य 23/01/2026 12:03	चंद्र 11/03/2026 13:13	मंगल 24/04/2026 08:03
सूर्य 16/12/2025 11:17	चंद्र 27/01/2026 03:43	मंगल 14/03/2026 14:05	राहु 01/05/2026 07:42
चंद्र 20/12/2025 13:54	मंगल 29/01/2026 17:04	राहु 22/03/2026 09:28	गुरु 07/05/2026 12:43
मंगल 23/12/2025 10:56	राहु 05/02/2026 06:52	गुरु 29/03/2026 08:01	शनि 14/05/2026 21:41
सूर्य - राहु - केतु	सूर्य - राहु - शुक्र	सूर्य - राहु - सूर्य	सूर्य - राहु - चंद्र
14/05/2026 21:41	03/06/2026 01:54	27/07/2026 20:48	13/08/2026 07:16
03/06/2026 01:54	27/07/2026 20:48	13/08/2026 07:16	09/09/2026 16:43
केतु 16/05/2026 00:31	शुक्र 12/06/2026 05:03	सूर्य 28/07/2026 16:31	चंद्र 15/08/2026 14:03
शुक्र 19/05/2026 05:14	सूर्य 14/06/2026 22:47	चंद्र 30/07/2026 01:23	मंगल 17/08/2026 04:24
सूर्य 20/05/2026 04:14	चंद्र 19/06/2026 12:22	मंगल 31/07/2026 00:24	राहु 21/08/2026 07:01
चंद्र 21/05/2026 18:35	मंगल 22/06/2026 17:04	राहु 02/08/2026 11:34	गुरु 24/08/2026 22:41
मंगल 22/05/2026 21:26	राहु 30/06/2026 22:18	गुरु 04/08/2026 16:10	शनि 29/08/2026 06:47
राहु 25/05/2026 18:28	गुरु 08/07/2026 05:37	शनि 07/08/2026 06:38	बुध 02/09/2026 03:55
गुरु 28/05/2026 07:50	शनि 16/07/2026 21:49	बुध 09/08/2026 14:30	केतु 03/09/2026 18:16
शनि 31/05/2026 08:42	बुध 24/07/2026 16:05	केतु 10/08/2026 13:31	शुक्र 08/09/2026 07:50
बुध 03/06/2026 01:54	केतु 27/07/2026 20:48	शुक्र 13/08/2026 07:16	सूर्य 09/09/2026 16:43
सूर्य - राहु - मंगल	सूर्य - गुरु - गुरु	सूर्य - गुरु - शनि	सूर्य - गुरु - बुध
09/09/2026 16:43	28/09/2026 20:56	06/11/2026 19:58	23/12/2026 02:20
28/09/2026 20:56	06/11/2026 19:58	23/12/2026 02:20	02/02/2027 11:49
मंगल 10/09/2026 19:34	गुरु 04/10/2026 01:36	शनि 14/11/2026 03:47	बुध 28/12/2026 23:04
राहु 13/09/2026 16:36	शनि 10/10/2026 05:39	बुध 20/11/2026 17:05	केतु 31/12/2026 09:02
गुरु 16/09/2026 05:57	बुध 15/10/2026 18:07	केतु 23/11/2026 09:51	शुक्र 07/01/2027 06:36
शनि 19/09/2026 06:49	केतु 18/10/2026 00:39	शुक्र 01/12/2026 02:54	सूर्य 09/01/2027 08:17
बुध 22/09/2026 00:01	शुक्र 24/10/2026 12:30	सूर्य 03/12/2026 10:26	चंद्र 12/01/2027 19:04
केतु 23/09/2026 02:52	सूर्य 26/10/2026 11:15	चंद्र 07/12/2026 06:57	मंगल 15/01/2027 05:01
शुक्र 26/09/2026 07:34	चंद्र 29/10/2026 17:10	मंगल 09/12/2026 23:44	राहु 21/01/2027 10:03
सूर्य 27/09/2026 06:35	मंगल 31/10/2026 23:43	राहु 16/12/2026 22:17	गुरु 26/01/2027 22:30
चंद्र 28/09/2026 20:56	राहु 06/11/2026 19:58	गुरु 23/12/2026 02:20	शनि 02/02/2027 11:49

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे एवं शत्रु पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। अतः चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षाओं में इस समय आपको विशिष्ट सफलता या विजय मिल सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। फलतः दाम्पत्य जीवन में भी प्रसन्नता रहेगी। मित्रों एवं बन्धुवर्ग से इस समय आप वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आप भी उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा। साथ ही नवीन कार्य भी प्रारंभ हो सकता है एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। सेना अथवा पुलिस विभाग में आपको उच्च पद प्राप्त हो सकता है। इसके साथ ही समाज में आपका मान सम्मान तथा यश व्याप्त रहेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा सर्वत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

_*__**_****

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से इस समय आप स्वस्थ रहेंगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सामाजिक जनों के मध्य आपके प्रभाव तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी जिससे सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। धार्मिक एवं परोपकार संबंधी कार्यों में भी इस समय आपके मन में रुचि उत्पन्न होगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य धार्मिक कार्य को सम्पन्न करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आप श्रद्धा रखेंगी तथा नियमपूर्वक इनकी सेवा तथा पूजा करेंगी। इसके साथ ही अन्य जनों की भलाई के लिए कार्य करेंगी तथा अन्यत्र भी अपनी ओर से यथा शक्ति आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम से इच्छित सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगी।

इस वर्ष में बन्धुवर्ग, मित्र एवं संबधियों से आप पूर्ण सुख सहयोग एवं सम्मान अर्जित करने में समर्थ रहेंगी तथा इनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या राजनैतिक महत्व के लोगों से भी आप इच्छित सहयोग एवं लाभ अर्जित करेंगी तथा ये सभी आपसे सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके सभी मानसिक संकल्प पूर्ण होंगे तथा विगत रुके हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य भी सिद्ध होंगे जिससे आपके हृदय में शान्ति तथा प्रसन्नता विद्यमान रहेगी। इसके अतिरिक्त किसी धार्मिक पूजन या कोई तीर्थयात्रा करने में भी आप की रुचि उत्पन्न होगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं प्रसन्नता पूर्ण होगा।

मासिक फलादेश

प्रथम मास

26/11/2025 03:52:12 से 26/12/2025 14:23:15 तक

इस मास में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगी तथा विविध प्रकार के सुखों को प्राप्त करने में समर्थ रहेंगी। साथ ही समाज से भी यश प्राप्त करने में आप सफल सिद्ध होंगी। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा एवं पूजा का भाव उत्पन्न होगा तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इस समय आप दूसरे लोगों की भलाई करने की भी इच्छुक रहेंगी तथा यत्नपूर्वक इस कार्य को सम्पन्न करेंगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस मास में अच्छा रहेगा एवं उच्चाधिकारी वर्ग के सहयोग से आप यश प्राप्त करेंगी एवं आपकी समाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। भाइयों से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी एवं अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में सफल रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति का सुख पूर्ण रूप से प्राप्त करेंगी अन्य मित्रों एवं सहयोगियों से भी आपको वांछित सहयोग प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी तथा सम्पूर्ण मास आप उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज से पूर्ण यश प्राप्त करेंगी।

द्वितीय मास

26/12/2025 14:23:15 से 26/01/2026 00:54:18 तक

आपका यह मास मध्यम रूप से व्यतीत होगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार से फलों की प्राप्ति होगी। इस समय शत्रु पक्ष से आप काफी भयभीत एवं चिन्तित रहेंगी तथा घर में चोरों के द्वारा किसी प्रकार से हानि की भी सम्भावना रहेगी। इस मास में आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे धनाभाव की स्थिति उत्पन्न होगी एवं धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा में न्यूनता का भाव आएगा इसके साथ ही विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। जिससे शारीरिक बल में अल्पता का आभास होगा। इस मास में आप दूर या समीपस्थ किसी स्थान की यात्रा भी कर सकती हैं। इस समय सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में भी आप अपने को असमर्थ समझेंगी जिससे आपके मन में तनाव उत्पन्न होगा। इसके अतिरिक्त मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय होगा अतः सोच समझकर ही कार्यों को सम्पन्न करें।

लेकिन इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगी जिससे आप पति तथा संतति से पूर्ण सुखी एवं प्रसन्न रहेंगी। साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या आभूषणों को भी प्राप्त कर सकती हैं जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी।

तृतीय मास

26/01/2026 00:54:18 से 25/02/2026 11:25:21 तक

इस मास में आप अपने उत्साह एवं परिश्रम द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगी तथा समाज से यश एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। बन्धु वर्ग एवं मित्रों से आपके सम्बन्धों में मधुरता रहेगी तथा उनसे आप उचित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त करेंगी। सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप आश्रय प्राप्त करेंगी तथा वे लोग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न का भी अधिक मात्रा में प्रयोग करेंगी तथा शरीर से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगी। आपके शत्रु इस समय आपसे कमजोर रहेंगे अतः उन्हें पराजित करने में आप सफल रहेंगी। पति से आप पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा व्यापारादि कार्यों में भी आप उचित लाभार्जन करके धन प्राप्त करेंगी। इस प्रकार यह मास आपके लिए शुभ लाभदायक रहेगा।

साथ ही इस मास में आप पुरुष वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभार्जन करने में भी सफल रहेंगी। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन लाभ होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा इस समय आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकती हैं। इसका अतिरिक्त समाजिक जनों के मध्य भी आप माननीया समझी जाएंगी।

चतुर्थ मास

25/02/2026 11:25:21 से 27/03/2026 21:56:24 तक

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपको पति एवं बन्धुवर्ग से कष्ट प्राप्त होगा तथा शत्रुपक्ष भी बलवान रहेगा जिससे उनकी ओर से आपको भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। अतः आप मानसिक रूप से उद्विग्न तथा असन्तुष्ट रहेंगी। इस मास आपके उत्साह में भी कमी आएगी तथा धन भी अधिक मात्रा में खर्च होगा। अतः आप आर्थिक संकट से भी कष्टानुभूति करेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा लोभ के भाव की भी प्रबलता आपके स्वभाव में रहेगी। मित्रों एवं बन्धुवर्ग से आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा मित्र भी इस समय शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त पारिवारिक या अन्य समाजिक जनों से भी विवाद आदि की आशंका बनी रहेगी अतः यह समय आपके लिए कष्टदायक ही रहेगा।

साथ ही इस मास में आप वातजन्य रोगों से पीड़ित भी रहेंगी तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगी जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि का भी भय बना रहेगा एवं इसके द्वारा न्यूनाधिक आर्थिक हानि हो सकती है। अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें जिससे अशुभ फलों में न्यूनता हो सके।

पंचम मास

27/03/2026 21:56:24 से 27/04/2026 08:27:27 तक

इस मास में आप शान्ति एवं सुख पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगी। अतः आप उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करेंगी एवं अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सफल रहेंगी। साथ ही समाज में आपकी मान एवं प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आप वांछित सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी तथा इनसे आपके संबंध भी मधुर रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको आश्रय मिलेगा तथा उनसे पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जन करेंगी। इस मास में आप मिष्ठान का उपभोग भी अधिक मात्रा में करेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी। साथ ही आपका शत्रु वर्ग भी इस समय आपसे पराजित एवं भयभीत रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यों में भी आपको प्रचुर मात्रा में लाभार्जन होता रहेगा।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी एवं पुरुष वर्ग से आप उचित सहयोग एवं लाभ अर्जित करेंगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा की भावना रखेंगी तथा समाज में भी आपका यश व्याप्त रहेगा।

षष्ठ मास

27/04/2026 08:27:27 से 27/05/2026 18:58:30 तक

इस महीने में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आप पति तथा बन्धुजनों से कष्ट प्राप्त करेंगी अथवा इनको किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। आपके शत्रु भी इस मास में बलवान रहेंगे फलतः आपके लिए वे समय समय पर समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। इस समय आप में लोलुपता के भाव की अधिकता रहेगी धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे आप आर्थिक दृष्टि से भी कमजोर होंगी। इस समय आपके मन में उत्साह के भाव की कमी स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होंगी। साथ ही शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा इससे आप दुर्बलता की अनुभूति भी करेंगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके परस्पर अच्छे संबंध नहीं रहेंगे तथा ये सभी लोग ऐसे समय में शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आप मानसिक कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ ही पारिवारिक तथा अन्य जनों से भी वाद विवाद होते रहेंगे। अतः संयम पूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी अर्जित करेंगी। इससे आप पति एवं पुत्र से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा इनसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आप नवीन वस्त्र या आभूषणों आदि को भी प्राप्त करने में समर्थ हो सकेंगी।

सप्तम् मास

27/05/2026 18:58:30 से 27/06/2026 05:29:33 तक

इस मास में सुख एवं प्रसन्नता अर्जित करने में आप सफल रहेंगी तथा आनन्द पूर्वक समय को व्यतीत करेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी शान्त तथा प्रसन्न रहेंगी। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग आपसे पराजित एवं भयभीत रहेगा। साथ ही विविध प्रकार से आय स्रोतों में वृद्धि होगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्रोतों से लाभार्जन भी कर सकेंगी जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। सामाजिक जनों तथा मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप उचित सहयोग तथा सम्मान अर्जित करने में सफल रहेंगी। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप यथोचित सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में भी सफल सिद्ध होंगी। इस मास में आप सौभाग्य शाली रहेंगी तथा आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी समय सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त सांसारिक कार्यों को पूर्ण करने में भी आप सफल रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन होता रहेगा। इसके अतिरिक्त किसी धार्मिक कार्य को भी आप इस समय सम्पन्न कर सकती हैं। साथ ही मित्र एवं बन्धु वर्ग में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे आप यथोचित सहयोग एवं सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगी।

अष्टम् मास

27/06/2026 05:29:33 से 27/07/2026 16:00:36 तक

इस मास में आप अशुभ फलों को ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर से आप कमजोर रहेंगी। साथ ही शत्रुपक्ष के बलवान होने के कारण आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। इससे आप मानसिक रूप से अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगी। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है। अतः सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। इस मास में आप अपने उच्चाधिकारियों का पूर्ण रूप से आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें अन्यथा उनसे आप किसी प्रकार दंडित भी हो सकती है। आपके शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्य इस मास में कम ही सफल होंगे तथा असफलता ही अधिक मिलेगी। इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकती है जिसके बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। आपके बन्धु एवं मित्रों से इस समय संबध तनाव पूर्ण रहेंगे एवं मधुरता का अभाव रहेगा। साथ ही समाज में भी आपके सम्मान में कमी आएगी। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पित से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा रक्त विकार का भय भी विद्यमान रहेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आपको किसी प्रकार की क्षति या नुकसान हो सकता है। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक आप अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

नवम् मास

27/07/2026 16:00:36 से 27/08/2026 02:31:39 तक

इस महीने में आप सुख तथा शान्ति प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस समय शरीर से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगी एवं मन से भी प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी फलतः शत्रु आपसे भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे। साथ ही आपके लाभ मार्ग भी नित्य प्रशस्त रहेंगे। इस समय आर्थिक स्थिति पूर्णरूप से सुदृढ़ रहेगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आप लाभ अर्जित करती रहेंगी। इस समय आपके भाग्योदय संबंधी कार्य भी सफल होंगे तथा विलम्बित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में भी सफलता अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। अपने मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके घनिष्ठ संबंध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही आपके सांसारिक कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेगा तथा इनसे आपको वांछित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी तथा इनकी ओर से निश्चिन्त रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र तथा वस्तुओं को प्राप्त करने में भी सफल हो सकेंगी। अतः यह मास आपके लिए सौभाग्यशाली रहेगा।

दशम् मास

27/08/2026 02:31:39 से 26/09/2026 13:02:42 तक

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेंगे। परन्तु अल्प मात्रा में शुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता भी रहेगी। साथ ही शत्रु पक्ष भी प्रबल रहेगा एवं आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेगा जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगी। इस मास में आपके घर में चोरी भी हो सकती है जिससे आपको सतर्क रहना चाहिए। आपको इस समय अपने उच्चाधिकारियों की आज्ञा का नम्रता पूर्वक पालन करना चाहिए अन्यथा उपेक्षा करने पर वे आपको दण्डित भी कर सकते हैं। आप के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में कम ही सफल होंगे तथा असफलता ही अधिक प्राप्त होगी। साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगी जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ सकता है। इस मास में बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबंध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण विद्यमान रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप पति या पुरुष वर्ग से सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी तथा अपनी बुद्धिमता के द्वारा आप धनार्जन करेंगी एवं मध्यम रूप से सुखार्जन करने में भी सफल रहेंगी। अतः सावधानी एवं शान्ति पूर्वक अपने इस मास को व्यतीत करें।

एकादश मास

26/09/2026 13:02:42 से 26/10/2026 23:33:45 तक

इस मास में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त करेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मन से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुपक्ष को पराजित, चिन्तित तथा भयभीत करने में सफल रहेंगी। इस मास में आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा अपनी आर्थिक स्थिति को बल प्रदान करेंगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्रोतों से भी लाभार्जन करने में सफल रहेंगी। इस समय आपके भाग्योदय संबंधी कार्य सम्पन्न होंगे तथा आपके रुके हुए कार्य भी बनेंगे। साथ ही अपने मित्र एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही आपके सभी कार्य पूर्ण होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता होगी इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे सन्तुष्ट रहेंगे तथा आपको इच्छित लाभ तथा सहयोग प्रदान करेंगे।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी होंगे। अतः आप शीत से उत्पन्न होने वाले रोगों से शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगी। इस समय आप आग के द्वारा भी न्यूनाधिक क्षति प्राप्त कर सकती हैं। अतः सावधानी पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करें।

द्वादश मास

26/10/2026 23:33:45 से 26/11/2026 10:04:48 तक

इस महीने में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता बनी रहेगी। शत्रु पक्ष इस मास में आपके लिए अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेगा जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। अतः सावधान रहने की आवश्यकता है। इस समय में आप उच्चाधिकारी वर्ग तथा सरकार की आज्ञा की उपेक्षा न करें तथा विद्रोहता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दण्डित भी हो सकती हैं। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। फलतः आर्थिक क्षेत्र में भी आपको परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इसके साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगी जिससे आपके सम्मान को ठेस पहुँचेगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपका मनमुटाव रहेगा तथा आपकी इच्छाएं भी अपूर्ण रहेगी अतः संयम पूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य आप समय समय पर शुभ फल भी अर्जित करेंगी। अतः आप श्रेष्ठ जनों तथा उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नति करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या वस्तुओं की प्राप्ति करने में भी सफल हो सकती हैं।